an>

Title: Regarding loss of crops of farmers due to water logging in villages of Buxar Parliamentary Constituency of Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, सम्पूर्ण देश में, विशेषकर बिहार में नहरों के पक्कीकरण एवं आधुनिकीकरण तथा रखरखाव की ठीक व्यवस्था न होने के कारण सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है।

मेरे संसदीय क्षेत्र बक्सर अंतर्गत रामगढ़ विधान सभा क्षेत्र के दुर्गावती प्रखण्ड के कर्णपुरा पंचायत में, कर्णपुरा एवं डिडिखिली ग्राम की पूरी फसल विगत् कुछ वर्षों में विकास की गलत योजनाओं के क्रियान्वयन के चलते जल-जमाव से हर वर्ष की भाँति इस साल भी क्षतिग्रस्त हो गयी है, जिससे यहाँ के किसानों के सामने भुखमरी का संकट खड़ा हो गया है। लगभग 1000 एकड़ की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। दुबारा धान की रोपनी की कोई संभावना भी नहीं रह गई है, क्योंकि जो भी रोड-रास्ता बनाया गया, उसमें पुल-पुलिया का एस्टीमेट तो था, लेकिन कोई पुल-पुलिया नहीं बनाई गई, पता नहीं वह राशि निकाल ली गई या वापस कर दी गई, जिससे उक्त मैदानी भाग के कृषि योग्य भूमि में दियारा क्षेत्र का दृश्य बन गया है। कृषि योग्य उर्वर भूमि होने के बाद भी यहाँ के कृषक खेती करने में अक्षम हो गये हैं।

कुदरा बीयर से साक्त माईनर, जो कर्णपुरा से होकर गुजरती है, विकास के नाम पर उसके साईफन तोड़े गये कि नहर के किनारे जो रोड बन रहा था, वह तैयार होने के साथ ही, दुरुस्त कर दिया जाएगा, किन्तु ठेकेदार राशि निकालकर भाग गया और वह योजना अधूरी रह गई। जो साईफन तोड़े गये उसके चलते नहर का पानी खेतों में घुसकर जल-जमाव कर देता है, जिससे या तो लगाई गई फसल नष्ट हो जाती है या खेत में जल-जमाव के चलते खेती करना असम्भव हो जाता है।

इस संबंध में बिहार सरकार के तमाम अधिकारियों एवं कर्मियों को अवगत कराने के बाद भी कोई निदान नहीं निकल सका। कर्णपुरा के कुसही सीवान में नहर पानी के दबाव से 5-6 जगह टूट गई है। उसकी मरम्मत नहर विभाग द्वारा पिछले 40 साल से नहीं कराई गई है, जिससे जल-जमाव हो जाता है और हर साल किसान मारा जाता है।

पूर्व में मोहनियाँ विधान सभा क्षेत्र में कुदरा बीयर से ही एक घेघिया माईनर की शाखा मोहनियाँ बाजार के पूर्व से निकालकर उसको अवॉरी गांव के समीप दुर्गावती नदी में गिराने की योजना एवं नवशा पास हुआ था, किन्तु उस योजना को भरखार गांव के समीप रामगढ़ रोड के बाट में छोड़ दिया गया और उसका पानी बधार से होकर बह रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जल जमा हो रहा है और क्षेत्र में दियारा क्षेत्र का दृश्य उत्पन्न हो गया है।

यह भी ज्ञात हो कि पूर्व में रेलवे एवं जी.टी. रोड के बाट से जो पानी निकलकर दुर्गावती नदी में गिर जाता था, वह जी.टी. रोड के फोर (4) लेन एवं सिक्स (6) लेन बनने के कारण अवरूद्ध हो गया है एवं रेलवे की तीन लाइन एवं पाँच लाइन के निर्माण के कारण रेलवे के किनारे से जो बाहा पानी निकलता था वह अब बन्द हो गया है, जिससे इस क्षेत्र की खेती प्रभावित हो रही है।

अतः मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि केन्द्र सरकार राज्य सरकार को निदेशित करे ताकि किसानों के हित में व्यापक रूप से सिंचाई और कृषि-कार्य सुचारू रूप से हो सके।

धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

सर्वश्री शरद त्रिपाठी और

भैरो प्रसाद मिश्र को श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।